Sum MORARJI R. DESAI: I am aware of that position. That amount which was mentioned was not an accurate amount at all. It was an estimate of this Government, that is all, and that too not a very correct one in my view. It is not possible to do that.

MR. CHAIRMAN: Next question

पिग ग्रायरन ग्रादि की बिक्री के मूल्य में वृद्धि

*७५. श्री भगवत नारायण भार्गव : क्या इस्पात तथा भारी उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि गत वर्ष पिग ग्रायरन टेस्टेड बिलेट्स, ग्रनील्ड वायर, गैल्वेनाइज्ड वायर ग्रादि के बिक्री के मूल्यों में वृद्धि हुई थी ; ग्रौर

(ख) क्या इस विषय में टैरिफ कमीशन से परामर्श लिया गया था ग्रौर यदि लिया गया था तो उसने क्या राय दी ?

INCREASE IN THE SELLING PRICE OP PIG IRON, ETC.

*75. SHRI B. N. BHARGAVA: Will the Minister of STEEL AND HEAVY INDUSTRIES be pleased to state:

(a) whether it is a fact that there was an increase in the selling prices of pig iron, tested billets, annealed wire, galvanised wire, etc., during the last year; and

(b) whether the Tariff Commission was consulted in the matter, and if so, what advice was given by it?]

इस्पात तथा भारी उद्योग मंत्रालय म उपमंत्री (श्री पी० सी० सेठी) : (क) जी, हाँ ।

(ख) जी, नहीं । टैरिफ कमीशन से प्रतिधारण मूल्य के बारे में परामर्श किया जाता है न कि लोहे ग्रौर इस्पात के विक्रय मूल्य के बारे में ।

†[THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF STEEL AND HEAVY INDUSTRIES (SHRI P. C. SETHI): (a) Yes, Sir.

(b) No, Sir. The Tariff Commission is consulted on retention prices, and not on sale prices of iron and steel.]

श्री भगवत नारायण भार्गव : क्या मैं माननीय मंत्री जी से जान सकता हूं कि पिछले साल इस चीज की कीमत बढ़ने के क्या कारण थे ग्रौर क्या उन कारणों को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है ?

श्री पी० सी० सेठी : कीमत बढ़ने का कारण उत्पादन की कीमत बढ़ने तथा मांग ग्रादि पर निर्भर करता है ।

श्री भगवत नारायण भार्गव : क्या यह बात सही है कि स्टेट ट्रेडिंग कारपोरेशन ने सरकार का ध्यान इस ग्रोर दिलाया कि इस चीज की कीमत बढ़ जाने की वजह से हम विदेशों से कम्पीटिशन नहीं कर सकते हैं ग्रौर इससे भारत को नुकसान होता है ?

SHRI P. C. SETHI: That is not i question, Sir.

श्री सभापति : क्या ग्राप पूछ रहे हैं कि नुकसान हुग्रा है या राय दे रहे हैं ?

SHRI N. C. KASLIWAL: May I know by what percentage the prices were increased?

SHRI C. SUBRAMANIAM: I can give the figures. Prior to 1961 revision, Sir, black sheets were selling at

†[]English translation.

Bs. 620 per ton, after the revision at Rs. 740 per ton. From June 1962 the price has been increased to Rs. 798. There have been corresponding increases in the prices of corrugated sheets, tested billets, annealed wire, etc.

SHRI C. D. PANDE: May I know the reason why it was necessary to raise this price, whether it was for meeting the higher cost of production or for having a higher margin of profit?

SHRI C. SUBRAMANIAM: Sir, from 2nd June, 1962 there were excise duties levied. That amount has been added to the selling price.

स्टील प्लाटों में काम करने वाले विदेशी इंजीनियर

*७६ श्री भगवत नारायण भार्गव : क्या इस्पात तथा भारी उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राउरकेला, भिलाई और दुर्गापुर के स्टील प्लांटों में से प्रत्येक में कितने विदेशी इंजीनियर काम कर रहे हैं ; वे किस किस देश के हैं, उनके वेतन क्या हैं और इन स्टील प्लांटों में से प्रत्येक में कितने भारतीय इंजीनियर काम कर रहे हैं और उन्हें कितना कितना वेतन मिल रहा है ;

(ख) ये विदेशी इंजीनियर वहां कितने समय से काम कर रहे हैं ; और

(ग) क्या भारतीय इंजीनियरों ने इतना अनुभव प्राप्त कर लिया है जिससे कि वे विदेशी इंजीनियरों की सहायता के बिना ही काम ला सकें ?

t [FOREIGN ENGINEERS WORKING IN STEEL PLANTS

•76. SHRI B. N. BHARGAVA: Will the Minister of STEEL AND HEAVY INDUSTRIES be pleased to stater

(a) the number of foreign engineers working in each of the steel plants at Rourkela, Bhilai and Durgapur; to which countries they belong; what are their salaries; and how many Indian engineers are working in each of these steel plants and what salaries they are getting;

(b) since how long these foreign engineers have been working there; and

(c) whether the Indian engineers have gained enough experience so as to enable them to carry out the work without the help of foreign engineers?]

इस्पात तथा भारी उद्योग मंत्रालय में उपमंत्री (श्री पी० सी० सेठी) :(क) एक विवरण सभा पटल पर रखा गया है। [देखिये परिशिष्ट ४०, अनुपत्र संख्या ५ ।]

(ख) भिलाई तथा दुर्गापुर में संचालन और अनुरक्षण कार्यों पर काम करने वाले विदेशी इंजीनियरों की संख्या में १९५९ के पश्चात् फेरबदल होता रहा। राउरकेला में वे १९६१ के मध्य से काम कर रहे हैं।

(ग) भारतीय इंजीनियर विदेशी इंजीनियरों के साथसाथ काम कर रहे हैं और उन्होंने काफी अनुभव प्राप्त कर लिया है। फिर भी उन्हें स्वतंत्र रूप से काम करने के लिये कुछ और समय लगेगा।

t[THE DEPUTY MINISTER IN THX MINISTRY OF STEEL AND HEAVY INDUSTRIES (SHRI P. C. SETHI): (a) A statement is placed on the Table of the House. [See Appendix XL, Annexure No. 5].

t[ ] English translation.